'' हीरा उद्योग समूह का छत्तीगसढ़ के लौह अयस्क निक्षेपण में योगदान ''

श्रीमती सारिका कुमारी देवांगन
डॉ. तपेश चन्द्र गुप्ता

// संक्षेपिका //

किसी भी देश/राज्य के प्रगति का सूचक उस राज्य में आरक्षित खनिज सम्पदा होती है । खनिज सम्पदा देश/राज्य के आर्थिक दशा का निर्धारण करती है । खनिज बहुमूल्य पदार्थ है जिसे भूगर्भ से निक्षेपित किया जाता है । खनिज शब्द का अर्थ वैज्ञानिक दृष्टि से ऐसे अजैविक पदार्थो से है जिसका एक निश्चित रसायनिक संगठन होता है । यह पदार्थ का निमार्ण क्षणिक प्रक्रिया न होकर लाखो–करोड़ों वर्षो के पश्चात् प्रकृति द्वारा किया जाता है । वास्तव में खनिज सम्पदा मानव जाति के लिए एक अनुपम वरदान है । भारत देश सहित छत्तीसगढ़ की धरा भी खनिज सम्पदा से परिपूर्ण है । खनिज सम्पदा जिसमें प्रमुखतः लौह अस्यक का छत्तीसगढ़ राज्य में प्रमुख स्थान है ।

हीरा उद्योग समूह छत्तीसगढ़ राज्य के अग्रिम पक्ति के उद्योगों मे से एक है । समूह द्वारा आयरन से संबंधित विभिन्न प्रकार की लौह पदार्थ निमार्ण करने के साथ सामाजिक उत्थान का दायित्व का निर्वहन भी करती है। हीरा उद्योग समूह लौह अस्यक के निक्षेपण में सतत् भूमिका का क्रियान्वयन कर रही है। मितव्यय में प्रकृति को क्षरण अथवा हानि पहुंचाए बिना मानव जाति कल्याण एवं आर्थिक दृष्टि से देश/राज्य के सुदृढ़ दशा के लिए प्राकृतिक संसाधनों का समुचित दोहन ही खनिज सम्पदा का निक्षेपण कहलाता है ।

1. प्रस्तावनाः–

वर्तमान युग को '' खनिज सम्पदा का युग '' कहना अतिश्योक्ति नही होगी । खनिज संसाधन प्रत्यक्ष रूप से खनन उद्योग से जुडा हुआ है। भूगर्भ से खनिज पदार्थो का निक्षेपण खनन या खनिकर्म कहलाता है । एशियाई क्षेत्र में भारत देश खनिज सम्पदा से सम्पन्न एवं अग्रणी राष्ट्र है । देश के विभिन्न भागों में महत्वपूर्ण खनिज सम्पदा आरक्षित है जिसका वैश्विक स्तर पर विशेष महत्व है । देश में प्राचीन काल से ही खनिज सम्पदा का औचित्य स्थापित है विशेषज्ञ इस दिशा में अग्रसर थे किन्तु तकनीकी अभाव में प्रक्रिया कारगर नही थी
। समय परिवर्तन के साथ नवीन तकनीक, प्रौद्यिगिकी एवं मशीनों के निमार्ण के पश्चात् कम लागत में महत्पूर्ण खनिज सम्पदा का दोहन सम्भव हुआ है ।

खनिज सम्पदा के दृष्टि से लौह अयस्क अतिमहत्वपूर्ण सम्पदा मे से एक है । उद्योग के क्षेत्र में लौह अयस्क को '' रीड की हड्डी '' माना जाती है । विश्व पटल पर लौह अस्यक आरक्षण में भारत के भूमि का अद्वितीय स्थान है । भारत में लौह अयस्क प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। भारत में लौह अस्यक के भंडार का लगभग 95 प्रतिशत भाग ओडिसा, झारखण्ड, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, छत्तीगसढ़ राज्यों में विद्यमान है ।(स्त्रोत–एन.सी.आर.टी. पुस्तक भुगोल भारत लोग और अर्थव्यवस्था पुष्ठ कमांक 74) ।

1.1 छत्तीसगढ़ राज्य में खनिज सम्पदा–

छत्तीसगढ़ राज्य खनिज संसाधनों के दृष्टि से अगिणी राज्य है। राज्य में खनन का क्षेत्र असीम सम्भावनाओं से भरा है । वास्तव में छत्तीसगढ़ राज्य के निमार्ण के पश्चात् पूर्ववर्ती मध्य प्रदेश राज्य के प्रमुख खनिज भू–भाग का छत्तीगसगढ़ राज्य में सम्मिलित हो जाने से राज्य और अधिक खनिज सम्पदा से परिपूर्ण एवं सृदुढ़ हुआ है किन्तु खनन उद्योग के क्षेत्र का विकास नहीं होने के कारण राज्य के प्रमुख खनिज भंडार जैसे लौह अस्यक, टिन, तांबा, डोलामाइट, कोयला का उचित निक्षेपण अभी भी अपेक्षित है । प्रदेश की खनिज सम्पदा गुणवत्ता के क्षेत्र में अन्य देशों एवं राज्यों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। देश के लौह अयस्क उत्पादन एवं खनन क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य की भागीदारी अन्य राज्यों की अपेक्षा अधिक है।

1.2 छत्तीसगढ़ राज्य में खनिज सम्पदा का क्षेत्र–

छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर, दुर्ग दल्लीराजहरा, बस्तर, गरियाबंद, महासमुंद आदि जिला लौह अयस्क के भंडार आरक्षित है । उत्तम कोटि का लौह अयस्क जो जापान देश को निर्यात किया जाता है वह बस्तर जिले के बैलाडीला पठार पर स्थित है । खनिज सम्पदा के समुचित दोहन के लिए '' राज्य खनिज नीति 2001 '' राज्य में लागू है ।

खनिज सम्पदा के समुचित दोहन के लिए निम्नांकित प्रयास किया जाना चाहिए–

1. पर्यावरण प्रदुषण के बिना खनिज सम्पदा का दोहन।
2. खनन उद्योग का समुचित विकास करना।
3. मूलभूत आवश्यकता का समुचित विकास करना ।
4. खनिज उद्योगों के स्थापना के लिए इच्छुक उद्योगपतियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
5. उत्खनन क्षेत्र में सरकारी प्रकिया का सरलीकरण किया जाना।
6. बहुमूल्य एवं दुलर्भ खनिज सम्पदा की खोज के लिए विशेषज्ञ निवेशकों को आकर्षिक करना ।
7. खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में नवीन तकनीकों का समुचित प्रयोग ।
8. उद्योग सुरक्षा को प्राथमिकता प्रदाय करना ।

9. उद्योग से जुडे मजदूरों की सुरक्षा का प्रबंधन करना ।

2. उद्देश्य:–

देश के सन्दर्भ मे छत्तीसगढ़ राज्य को प्राकृतिक खनन संसाधन का अनुपम उपहार प्राप्त है। राज्य के बहुमूल्य खनिजों के निक्षेपण में योगदान के परिपेक्ष्य में अध्ययन हेतु निम्नांकित उद्देश्य है–

1. छत्तीसगढ़ राज्य के खनिज सम्पदा, लौह अयस्क का निक्षेपण का अध्ययन ।
2. हीरा उद्योग समूह का छत्तीसगढ़ राज्य के लौह अयस्क निक्षेपण में योगदान का अध्ययन ।

3. परिकल्पना:–

H_1 छत्तीसगढ़ राज्य के लौह अयस्क निपेक्षण उद्योग में विकसित हो रहा है। राज्य में लौह अयस्क निक्षेपण की सम्भावना है।

H_2 हीरा उद्योग समूह का छत्तीसगढ़ राज्य के लौह अयस्क निक्षेपण में महत्वपूर्ण योगदान है। हीरा उद्योग समूह का लौह अयस्क निक्षेपण के संदर्भ में महत्वपूर्ण स्थान एवं प्रयास ।

4. शोध प्रविधि:–

(अ) **ऑकड़ो का संग्रहण–** प्रस्तुत अध्ययन द्वितीयक समंकों पर आधारित है । द्वितीयक समंकों का संकलन हीरा उद्योग समूह के वार्षिक प्रतिवेदन, छत्तीसगढ़ राज्य को आर्थिक सर्वेक्षण एवं खनिज विभाग छत्तीसगढ़ शासन का वार्षिक प्रतिवेदन, संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा प्रकाशित वार्षिक प्रतिवेदन से तथा शोध प्रतिवेदनों से संकलित किया गया है ।

(ब) **ऑकड़ो का विश्लेषण–** प्रस्तुत शोध कार्य के उद्वेश्य की पूर्ति के लिए संकलित आंकडों का विश्लेषण आवश्यकतानुसार ग्राफ, तालिका, आदि का उपयोग किया गया है ।

5. अयस्को का निक्षेपण–

हीरा उद्योग समूह द्वारा लौह अयस्क निक्षेपण का वर्षवार तुलनात्मक तालिका अध्ययन (वर्ष 2013–14 से वर्ष 2017–18,) (उत्पादन मिट्रिक टन में)

क्रमांक	वित्तीय वर्ष	उत्पादन (मिट्रिक टन)	वार्षिक वृद्धि दर %
1.	2013-14	326358	49.7
2.	2014-15	446241	37.00

3.	2015-16	657328	47.30
4.	2016-17	1175091	78.77
5.	2017-18	1579693	37.43

स्त्रोत– वार्षिक प्रतिवेदन हीरा उद्योग समूह वर्ष 2013–14 से 2017–2018 ।

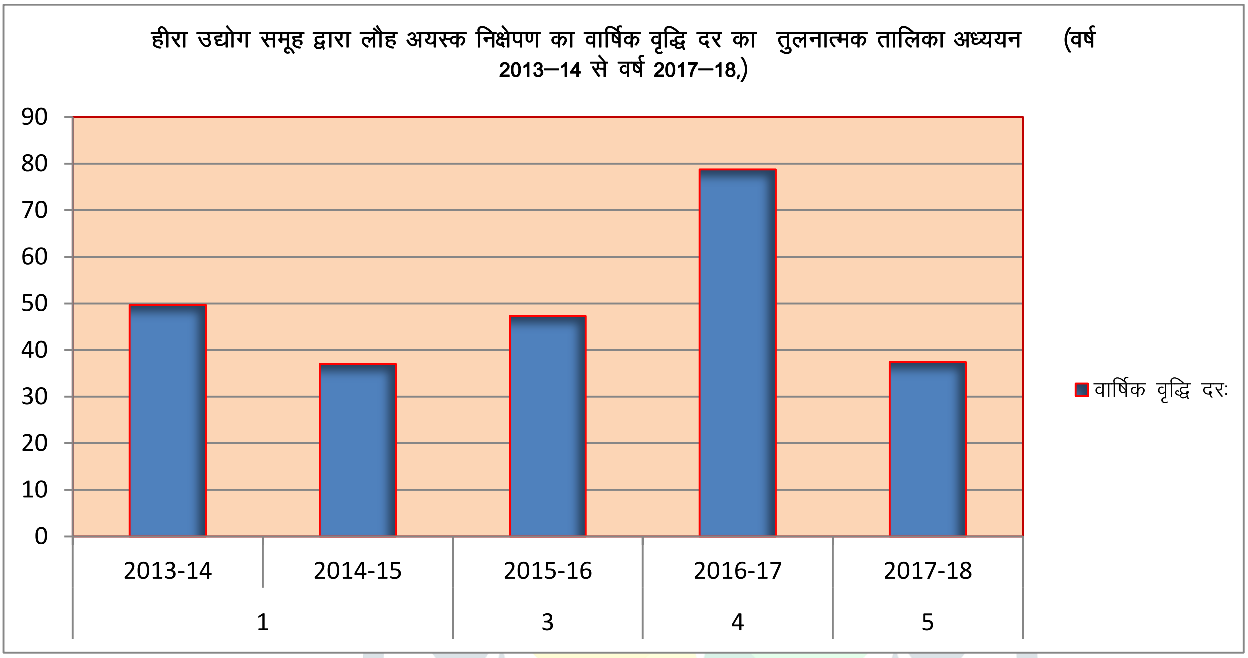

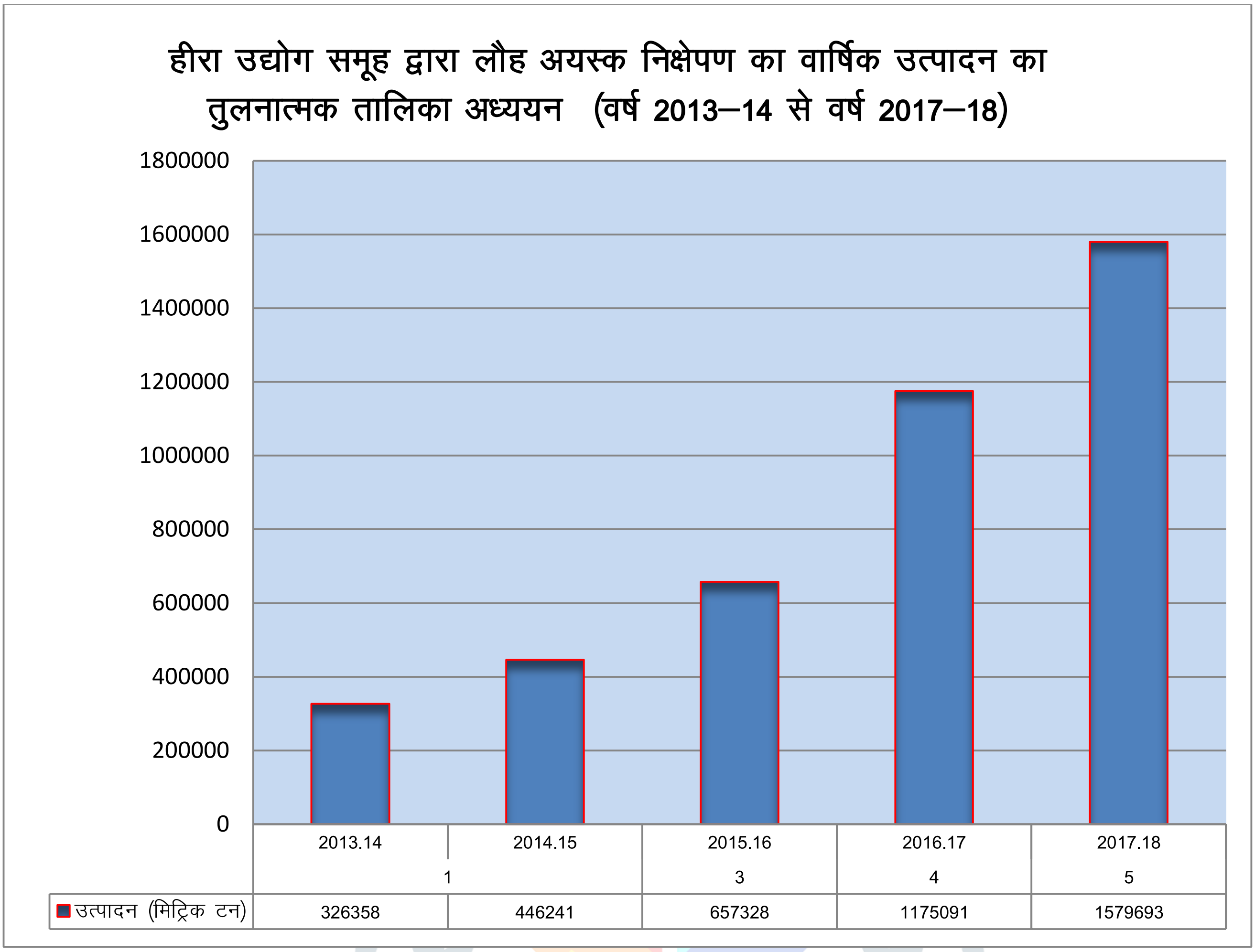

5. ऑकड़ों का विश्लेषण–

उपरोक्त आंकड़ों एवं रेखाचित्र के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि हीरा उद्योग समूह द्वारा वित्तीय वर्ष 2013–14 से 2017–18 तक लौह अयस्क के निक्षेपण/खनन में वृद्धि हुई है । वित्तीय वर्ष 2013–14 की अपेक्षा 2014–15 में वार्षिक वृद्धि दर में कमी दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2015–16 तथा 2016–17 में वार्षिक वृद्धि दर में वृद्वि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2016–17 के अपेक्षा 2017–18 में वार्षिक वृद्धि दर में कमी दर्ज हुई है।

निष्कर्ष:–

H$_1$ शोध अध्ययन के पश्चात् यह स्पष्ट हो जाता है कि छत्तीसगढ़ राज्य के लौह अयस्क निक्षेपण उद्योग विकसित हो रहा है। राज्य में लौह अयस्क निक्षेपण में असीम सम्भवना उपलब्ध है।

H$_2$ शोध अध्ययन के पश्चात् यह स्पष्ट हो जाता है कि हीरा उद्योग समूह द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के लौह अयस्क निक्षेपण में महत्वपूर्ण योगदान किया है। समूह द्वारा लौह अयस्क निक्षेपण के संदर्भ में विशेष स्थान प्राप्त है एवं इस दशा में निरन्तर प्रयास कर रही है।

संदर्भ ग्रंथ की सूची :–

1. जैन बी.एम., शोध प्रविधि व क्षेत्रीय तकनीक, 2001, रिसर्न पब्लिकेशन जयपुर ।
2. अग्रवाल जी के एवं पाण्डेय एस.एन., शोध सांख्यिकी, 2004, साहित्य भवन पब्लिकेशन।
3. सिन्हा, वी.सी., व्यावहारिक अर्थषास्त्र, 2006, साहित्य भवन ।
4. आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2014–15, 2015–2016, 2016–17 एवं 2017–18 आर्थिक एवं सांख्यकी संचालनालय, रायपुर
5. हीरा गोदावरी पॉवर एण्ड इस्पात वार्षिक प्रतिवदेन वर्ष 2014–15, 2015–2016, 2016–17 एवं 2017–18
6. भारत लोग और अर्थव्यवस्था कक्षा 12 वी NCERT 2006.
7. सामाजिक विज्ञान कक्षा 10वी राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़ रायपुर 2016
8. छत्तीसगढ़ समग्र, छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, रायपुर छ.ग. 2015
9. विज्ञान कक्षा 10वी NCERT 2012.
10. भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रतियोगिता दर्पण 2017 ।

श्रीमती सारिका कुमारी देवांगन
शोधछात्रा(वाणिज्य)
शासकीय जे.वाय. छत्तीसगढ़ महाविद्यालय,
रायपुर छ.ग.
मोबाईल कमांक 78280–35029
E-mail- sarikadewangan123.pr@gmail.com

डॉ. तपेश चन्द्र गुप्ता
प्राध्यापक(वाणिज्य)
शासकीय जे.वाय. छत्तीसगढ़ महाविद्यालय,
रायपुर छ.ग.
मोबाईल कमांक 70077–73900
E-mail- tapesh_48gupta@yahoo.in